स्मृति ज़ूबिन इरानी
Smriti Zubin Irani

सत्यमेव जयते

मंत्री
महिला एवं बाल विकास और वस्त्र
भारत सरकार
नई दिल्ली
Minister
Women & Child Development and Textiles
Government of India
New Delhi

अ.शा.पत्र सं0 7/3/2021-Fiber-I

दिनांक: २१ फरवरी 2021

आदरणीय श्री नीतीश मिश्रा जी,

बिहार के मधुबनी जिले में बंद पड़ी पंडौल सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण के संबंध में दिनांक 04.01.2021 के अपने पत्र का संदर्भ लें ।

2. इस विषय में, मैं आपको अवगत कराना चाहती हूं कि भारत सरकार किसी भी बंद पड़ी सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण के लिए सहायता प्रदान नहीं करती है । सरकार की भूमिका, कपास प्रसंस्करण उद्योग सहित विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने के लिए नीतिगत परिवेश, उद्योग और निजी उद्यमियों के लिए सक्षम परिस्थितियों के निर्माण के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना है । सरकार, प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (Technology Upgradation Fund Scheme), एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (Scheme for Integrated Textile Parks), पावरटेक्स इंडिया (Power Tex India) एवं विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के अन्तर्गत वस्त्र इकाइयों की स्थापना के लिए उद्यमियों को सहायता प्रदान करती हैं । उपर्युक्त योजनाओं का लाभ देश के सभी राज्यों के लिए उपलब्ध हैं ।

आशा है कि आप इस दृष्टिकोण से सहमत होंगे ।

सादर,

भवदीया,

स्मृति इरानी

(स्मृति ज़ूबिन इरानी)

श्री नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार
112, कौटिल्य मार्ग
पटना-800014 (बिहार)

नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

Ref: 09/2021
Dt- 04-01-2021

आदरणीय मंत्री महोदया,

विषयः— बिहार के मधुबनी जिलान्तर्गत बंद पड़े पंडौल सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण के संबंध में।

बिहार का मिथिला क्षेत्र मधुबनी पेटिंग एवं मखाना के लिए विश्व प्रसिद्ध है। बिहार में उद्योग की संभावनाओं को विकसित करने के उद्येश्य से उत्तर बिहार के मधुबनी जिलान्तर्गत पंडौल सूत मिल की स्थापना 1982 में की गयी, जिसका परीक्षण उत्पादन 1986 एवं व्यावसायिक उत्पादन 1987 में शुरू हुई। 25 एकड़ जमीन में स्थापित हुई यह मिल की क्षमता 250 टन, सूत बनाने की क्षमता 750 कि0ग्रा0 प्रतिदिन थी। इस मिल में 750 व्यक्ति को रोजगार मिला हुआ था। सूता 40 काउंट से 120 काउंट प्रकार के थे। इसके बिक्री केन्द्र पंडौल, मधुबनी के साथ अन्य जगहो पर था। पंडौल सूत मिल पूरी तरह कार्यरत था लेकिन 90 के दशक में यह मिल बंद हो गया।

यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के "आत्मनिर्भर भारत" की परिकल्पना को साकार करने, एवं बिहार में उद्योग विकसित करने के लिए पंडौल सूत मिल का पुनरूद्धार जनहित में आवश्यक है। यहाँ बहुतायत जमीन, भवन, यंत्र बेकार पड़े है तथा रोजगार भी समाप्त है।

मिथिला के उद्योग विहीन 12 जिलों यथा सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, सुपौल, मधेपुर, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, कटिहार में उद्योग की अपार संभावनाओं के तहत पंडौल सूत मिल को पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण करना "आत्मनिर्भर भारत" के लिए एक मिशाल कायम करेगा।

अतः अनुरोध है कि मिथिला के औद्योगीकरण की संभावनाओं को साकार करने हेतु मधुबनी जिलान्तर्गत पंडौल सूत मिल के पुनरूद्धार एवं आधुनिकीकरण हेतू आवश्यक कार्रवाई करना चाहेंगी।

नव वर्ष की मंगलकामनाओं के साथ!

सादर,

भवदीय

Nitish Mishra

(नीतीश मिश्रा)

सेवा में,

श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी,
माननीया मंत्री
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com